अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय- हिंदी

कक्षा – नौवीं

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने

अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

उत्तर कुंजी

कोड न. - 2501

कक्षा 9

1.) व्याकरण पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तरपुस्तिका मे लिखिए।

(क) (iv) अनुप्रास अलंकार

(ख) (i) निर्

(ग) (i) क्रिया विशेषण

(घ) (iv) नदी

(ड) (i) फ़ारसी-अरबी

(च) (ii) अमावस्या

(छ) (i) शब्द

2.) निम्नलिखित प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तर दीजिए।

(क) प्रेम, क्रम, कर्म, चक्र आदि |

(ख) (i) गले लगाना।

(ii) शर्मिंदा होना।

(ग) उत्तर पदप्रधान होता है और पूर्व पद गौण होता है। कारक की विभक्ति का लोप हो। उदाहरण: रसोईघर = रसोई के लिए घर।

(घ) विकारी: वे शब्द जो लिंग, वचन, काल, कारक, आदि के आधार पर परिवर्तित हो जाते है। जैसे – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, आदि।

3.) निम्नलिखित में से कोई एक विषय पर निबंध लिखिए।

(क) प्रदूषण, अर्थ प्रकार कारण और उपाय।

(ख) परोपकार का अर्थ परोपकार का महत्व।

(ग) प्राचीन, मध्य, आधुनिक समय में स्त्री की स्थिति, घर व नौकरी में सामजस्य।

(घ) स्वदेश प्रेम – भूमिका, स्वदेश प्रेम, स्वदेश का आकर्षण, स्वदेश की उन्नति, राष्ट्रीयता और उपसंहार

(च) इंटरनेट का अर्थ, इंटरनेट के नकारात्मक और सकारात्मक प्रभाव।

4.)

पत्र भेजने वाले का पता

दिनांक

सम्बोधन

अभिवादन

पत्र लिखने का कारण

विषय का विस्तार

समापन

अथवा

विद्यालय का पता

दिनांक

विषय

सम्बोधन

विषय का विस्तार

समापन

खंड (ख)

5.) क्षितिज (काव्य खंड)के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी पुस्तिका मे लिखिए।

(क) (i) हिन्दुओं का

(ख) (i) शिव

(ज) (iv) कृष्ण

(घ) (i) माखन लाल चतुर्वेदी

(ड) (ii) अंग्रेजी शासन

(च) (iv) रसखान

प्रश्न 6 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कबीर दास

(ख) देवल, मस्जिद काबा और काशी में।

(ग) ईश्वर को प्राप्त करने के लिए मनुष्य पूजा पाठ नमाज़ योग बैराग बहा आडम्बर क्रिया कर्म आदि करता है ।

(घ) ईश्वर सब जगह व्याप्त है, कण कण में व्याप्त है।

(ड) ईश्वर को प्राप्त करने के लिए पल भर का समय चाहिए।

7.)

कबीर ने ईश्वर के प्राप्ति के लिए प्रचलित अंधविश्वासों का खंडन किया है, जिसमें मस्जिद जाना, नमाज, पूजा पाठ, अंधविश्वास, बहा आडंबर आदि का खंडन किया ह।

अथवा

मनुष्य का जीवन प्राप्त करने पर ग्वालों के रूप में।

पशु की योनि प्राप्त करने पर नंद बाबा की गाय के रूप में।

निर्जीव पत्थर बनने पर गोवर्धन पर्वत पर ही स्थान पाए।और पक्षी बनने पर यमुना किनारे ही कदम्ब के पेड़ की शाखाओं पर ही बसेरा करे।

8)

कवि व कोयल के बीच का तुलनात्मक वर्णन, कोयल के गीत जहां सब और प्रशंसा पाते हैं, वहां कवि का रोना भी गुनाह है, तुकबंदी, अनुप्रास अलंकार, तत्सम शब्दावली।

9.) हथकड़ियों को गहना इस लिए कहा गया है क्योंकि देश को स्वतंत्र करने के लिए पहनी गयी है।

खंड (ग)

प्रश्न 10 क्षितिज (गद्य खंड) के आधार पीआर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:

(क) (i) झूरी

(ख) (i) राहुल सांकृत्यायन

(ग) (iii) आम जनमानस को।

(घ) (iii) साइलेंट वैली।

(ड) (i) निबंध

(च) (i) सुभद्रा कुमारी चौहान

11.)

(क) उपभोक्तावाद की संस्कृति, श्यामचरण दुबे

(ख) सीमित संसाधनों का

(ज) आक्रोश और अशांति

(घ) नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे ह।

(ड़) पिज़्ज़ा और बर्गर।

12.)

प्रेमचंद - जन्म 1880 लमही गांव उत्तर प्रदेश

मूल नाम धनपत राय पहले उर्दू में लिखते थे ।

प्रमुख रचनाएं

उपन्यास - सोजे वतन , निर्मला , रंगभूमि, कर्मभूमि ,सेवा सदन , गबन आदि

नाटक - कर्बला

कहानियां - बड़े घर की बेटी , ईदगाह , प्रेम पच्चीसी आदि

भाषा – मुहावरेदार भाषा, उर्दू के शब्दों का प्रयोग, तत्सम तद्भव और देशज शब्दावली का प्रयोग।

अथवा

राहुल सांकृत्यायन

जन्म 1893, आजमगढ़ उत्तर प्रदेश

मूल नाम केदार पाण्डेय

घुमक्कड़ प्रवृत्ति 1930 में श्रीलंका जाकर बौद्ध धर्म ग्रहण किया।

प्रमुख रचनाएं, बोल्गा से गंगा ,भागो नही दुनिया को बदलो , मेरी जीवन यात्रा आदि

भाषा बोलचाल की भाषा, सहज सरल , तत्सम, तद्भव

शैली में चित्रात्मक गुण ।

13.)

(क) तिब्बती समाज की विशेषताएं राजनैतिक आर्थिक एवं भौगोलिक स्थिति का वर्णन करना।

(ख) एक बार बचपन में सालिम अली मामा की दी हुई एयरगन से खेल रहे थे। उसी एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। सालिम गौरेया के विषय में जानना चाहते थे तब मामा ने उन्हें नैचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बी.एन.एच.एस) जाकर गौरैया की पूरी जानकारी प्राप्त करने को कहा, वहाँ जाने के बाद उनकी रूचि पूरे पक्षी- संसार की ओर मुड़ गयी और वे पक्षी-प्रेमी बन गए।

(ग) यहाँ पर जूते का आशय ताकत एवं शक्ति प्रदर्शन है, तथा टोपी मान मर्यादा तथा इज्जत का प्रतिक है लोग इज्जत से ज्यादा ताकत को महत्व देते है।

खंड -घ

14.)

(क) समाज में उमा जैसे दृढ़, स्पष्ट वादिनी तथा उच्च चरित्र वाले व्यक्तित्व की आवश्यकता है। शंकर जैसे लड़के समाज के लिए अभिशाप है ये समाज को कोई दिशा नहीं दे सकते।

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एक उद्देश्यपूर्ण एकांकी है। इस एकांकी में लेखक ने स्पष्ट किया है कि लड़के और लड़की में भेदभाव करना उचित नहीं है। लड़की भी उच्च शिक्षा के साथ-साथ सम्मान की अधिकारिणी है। विवाह के नाम पर उससे तरह-तरह के सवाल पूछकर उसे अपमानित करना उचित नहीं है। आज लड़कियां भी लड़कों के हो समान उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अतः उन्हें भी उचित सम्मान मिलना चाहिए। लेखक ने गोपालप्रसाद जैसे रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों पर प्रहार भी किया है|

(ख) मृत्यु का तरल दूत बाढ़ को कहा गया है क्योंकि बाढ़ आने पर जान माल की हानि होती है।

(ग) लेखिका की नानी की वैसे तो प्रत्यक्ष रूप से आज़ादी के आन्दोलन में किसी प्रकार की भागीदारी नहीं रही पर उन्होंने स्वतंत्रता की भावना को मन-ही-मन पनपने दिया। उन्होंने कभी पति के अंग्रेजी शौक को स्वीकार नहीं किया। उनके पति अंग्रेजों के भक्त थे, फिर भी नानी ने कभी अंग्रेजों की जीवन शैली को अपनाया नहीं। नानी ने अपनी बेटी की शादी क्रांतिकारी से करने की इच्छा व्यक्त की जिससे उनकी देश प्रेम की भावना का पता चलता है। उनका सबसे बड़ा योगदान यह है कि इस विवाह की घटना से एक उदाहरण प्रस्तुत किया और देश के क्रांतिकारियों को भी बड़ी प्रेरणा प्रदान की कि अन्य लोग भी इस कार्य में उनके साथ हैं। इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से लेखिका की नानी की स्वतंत्रता आन्दोलन में भागीदारी रही है।

15.) आदर्श जीवन मूल्य माध्यमा के आधार पर निम्नलिखित किन्ही 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) क्योंकि अर्जुन सत्य के मार्ग पर चलने वाला थ। वह अपने आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अतुटू श्रद्धा, निष्ठां, समपर्ण व विश्वास करते थे।

(ख) गीता से हमें अनेक शिक्षाएं मिलती है:
१. कर्मशील बने रहना।
२. निष्ठां से अपने कर्त्तव्य का पालन करना।
३. ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास, श्रद्धा, निष्ठा समर्पण एवं विश्वास रखना ।

(ग) गुरुजनों और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने आचार्य-शिक्षक या गुरुजनों के निकट जाना, उनसे अपनी जिज्ञासा का समाधान करवाना, प्रश्नों का उत्तर लेना और उनके अनुभव का अपने लिए लाभ लेना बहुत अच्छा भी है और आवश्यक भी है|

(घ) आपसी शत्रुता के बारे में कहा था, "वैर से बुद्ध ने वैर शान्त नहीं होता। अवैर से ही वैर शान्त होता है।" यह सुनहरा सूत्र सर्वदा सार्थक |

(ड) मनुष्य के जीवन की सार्थकता परिश्रम करने में है। जो व्यक्ति जीवन में पुरुषार्थ करता है तथा विपरीत परिस्थिति आने पर भी निराश नहीं होता, उस व्यक्ति का जीवन सार्थक माना जाता है |